

29/08/24

पुत्राप मरीकेन उपस्थित।
 जमीन के कविवरता द्वारा विजयी
 स 1/1 व 1/2 व विजयी स 04 से 07
 द्वारा मेश अवक का अवक
 उला - अवक मेश विषय, जो
 प्राप्त कि का उक्त वकील विजयी
 को दी गई।

रक्षण जमीन पर उपायपत्र
 की बहस हुनी गई। वकील जमीन
 द्वारा बहस के दौरान विवेक
 विषय कि वादग्रस्त जमीन के
 सेटलमेन्ट से पूर्व मशीन लगान से
 जमीन को खरीद नरसिंगा एवं
 विजयी के खर्चा जोकलदास
 का नाम बतौर जमींदार दर्ज था।
 जिसमे नरसिंगा व जोकलदास प्रत्येक
 का 1/2-1/2 हिस्सा दर्ज था। वादग्रस्त
 जमीन विजयी स 01 से 02 म



पंजी 42 की जर्दी थी, जो सेटलमेंट
के समय रामराम विकारी में विपुषि
सेठिया 01 ने अपने नाम पर
करवा ली। जबकि वादग्रस्त भूमि
पर जायगीत का भी कदावास्त
होने तथा दिखना होने से जख्त
में जाते स्थान कादेशा के
काद के निर्णय तक कर्ण
किपा जावे।

पंजी 01 व 02
द्वारा लखत करते हुए निवेदन
किपा कि वादग्रस्त भूमि पर
कामी जायगीत किपा उनके
वैवेतो का इला नही रहा है।
वादग्रस्त भूमि पर रामराम
अकेले का कदा होते से
उनके नाम ही सेटलमेंट में
(कामी) बंदोबस्त में बतौर वादग्रस्त
नाम इंकित किपा गया।

पंजी 01 व 02 से 07

द्वारा कंपनी बहाल में लकी रिपॉ
 कि अर्पणिका का वाहग्राह भूमि
 पर न तो कस्ता है तथा न
 ही राजस्व रेकर्ड में वातेदार
 है। जिसके कारण अर्पणिका
 का रेकर्ड वातेदार के विरुद्ध
 रजिस्ट्रार उपा करने का कोई
 अधिकार नहीं है।

कमिश्नर अर्पणिका एन ०५ से ०३
 द्वारा बहाल करते हुए निवेदन
 रिपॉ कि अर्पणिका एवं अर्पणिका
 एन ०१ व ०२ अर्पणिका संविध के
 माद लेका जाये है। वाहग्राह भूमि
 को वर्तमान में अर्पणिका एन
 ०५ से ०३ द्वारा अर्पणिका परीकृत
 बंवाक के रूप में भी गरी है
 एवं अर्पणिका ०५ से ०३ को
 वाहग्राह एवं निवेदन में आवश्यक
 परकार लगाया जा चुका है
 निवेदन वाहग्राह भूमि में अर्पणिका
 एन ०१ व ०२ द्वारा अर्पणिका

सहायक
 (S.D.O.)

गा विजार्गी सं ०५ से ०३
को बँचान करने से पर्यीवहु
बँचान का श्रास्व रेकर्ड में
अभिलेखित करते हुए अज्ञान
आदेश को वाद के त्रितीय
तक अन्तर्गति भिषा जावे।

परकीम जर्गी द्वारा अज्ञान
सं ५ से ०३ के अन्तर्गत की
वस्तु। तर्की का विरोध करते
हुए निवेदन भिषा कि कृताको
को एक मूल अन्तर्गत। बँचानकर्ता
में निश्चित होने से पर्यीवहु बँचान
का श्रास्व रेकर्ड में अभिलेखित
नहीं भिषा जावे।

मैने (आवली) एवं आदेशों
का अन्तर्गत भिषा तथा आपपक्ष
की इन्तर्गत पर मनन भिषा।

वास्तविकता काटती वस्तु लेखने
के समय आधीगा व विजार्गीगा
को धर्म नरहिगा एवं गोरुलदास

के नाम बर्तार डेलीटार हर्षिणी
 वर्तमान मे पादग्रस्त भूमिका
 बँचाना हुआ है तथा कस्टो
 काश्त को लेकर उभयपक्ष मे
 विवाद है। यदि अस्थाई निवेदन
 इस तरह पर धारित की जाती
 है तो वादों की संख्या मे
 बढ़ोतरी होगी जिसका रिफार्स
 की प्रभावकारि बनाये रखना
 आवश्यक है। लेकिन विजयी
 संख्या ०५ से ०७ उफरण मे
 हस्तगत कइया जाये होने से
 धर्म मे पादग्रस्त काश्त को
 हल करने से बोनो फायरुड हैता
 है। अतः विजयी सं० ०५ से ०७
 द्वारा पादग्रस्त भूमि जसिये पजीबहु
 बँचानामा को हल करने के
 कारण पजीबहु बँचाना का
 शासक रेकॉर्ड मे नामानुकारण
 करने हुए शासक रेकॉर्ड की

सदर
 (S.D.O.)

डिम्पपक्ष काट के तिलाटा
तक प्रमाणित बनाये रखे।
अति: उपरीक्षण द्वारा उद्भूत
उपरीक्षण - एक शक्तिशाली स्त्रीकार
रिप्रा जाकर उकलण में जारी
अस्थाई निवेधाना काट के
निर्णीय तक इस डिम्पपक्ष की
जारी की जाती है कि मौजा
तान्हाणियों की हाणी, पत्वार
लिखा बरमेर कपरा के बरसा
नम्बर 407 शकवा 29.15 कीया
वर्तमान बरसा नम्बर 1703/407
शकवा 02.4079 हेक्टेयर डिम्प
बाराणी दोपम तथा बरसा नम्बर
1704/407 शकवा 02.4079 हे
डिम्प बाराणी दोपम सुमि में
सम्बंध में लक्ष्मीनदीर बरमेर
शामीण को निर्देशित रिप्रा
जाता है कि विद्यार्थी संख्या
04 से 07 के परीकृत बरसाना

सदर 04 से 07 के परीकृत बरसाना

अधिक बरमेर
(SDO), बरमेर

का शास्त्र रेकर्ड में उमलदास
 करते हुए इस काशप का वंश
 करें कि अक्षय में उमपपथ
 रिपोर्ट की सहायिधि बनाने
 शब्दों का देश से इज्जत
 हुनामा गया। पत्रावली प्रकृत
 हुमार लेकर हाकिम फौज
 हो।

अक्षय
 सहायक कमिश्नर
 (S.D.O.), नांदेड़